H-441

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2023

प्रारंभिक भाषा शिक्षण में डिप्लोमा

विषय–प्रारंभिक भाषा एवं साक्षरता : एक झलक **प्रश्नपत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. पृष्ठों को पलटना और कहानी को पुनः सुनना पढ़ने का अभिनय है। (सत्य/असत्य)
2. किताब पढ़कर सुनाना केवल शिक्षण के लिए होता है। (सत्य/असत्य)
3. जिन शब्दों को बच्चे डिकोडिंग के बिना देखते, पहचानते और पढ़ लेते हैं वे दृश्य शब्द नहीं होते हैं। (सत्य/असत्य)
4. मौखिक भाषा और पढ़ने-लिखने के काम के बीच संतुलन होना चाहिए। (सत्य/असत्य)
5. अर्थ निकालने की क्षमता को समझना कहा जाता है। (सत्य/असत्य)
6. शिक्षा के क्षेत्र में भाषा ही सब कुछ नहीं है, लेकिन भाषा के बिना शिक्षा में सब कुछ, कुछ भी नहीं है। (सत्य/असत्य)
7. क्या आप कभी कुछ ऐसा महसूस करते हैं या सोचते हैं जो शब्दों में नहीं कह पाते ? (सत्य/असत्य)
8. शिशु भाषा-अर्जन करने के मानसिक उपकरण जैविक रूप से लेकर ही पैदा होते हैं। (सत्य/असत्य)

खण्ड—ब

9. स्थानिक एवं सार्वत्रिक समझ से क्या तात्पर्य है ?
10. भाषा और संप्रेषण में क्या संबंध है ?
11. प्रत्यक्ष अवधारणा से क्या तात्पर्य है ?
12. कक्षा 2 के अंत तक साक्षरता के विकास को बताइए।
13. लेखन का उपयोग किन उद्देश्यों के लिए करते हैं ?
14. स्वतंत्र पाठक कौन होता है ?

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—1)

खण्ड—स

15. भाषा का क्या कार्य है ?
16. भाषा और सीखना के संबंध को स्पष्ट कीजिए।
17. बोलचाल की भाषा एवं अकादमिक भाषा में अंतर स्पष्ट कीजिए।
18. भाषायी समझ की क्या प्रक्रियाएँ हैं ? वर्णन कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—4)

खण्ड—द

19. बच्चे की मौखिक भाषा के विकास के चरणों को स्पष्ट कीजिए।
20. प्रारंभिक कक्षाओं के मौखिक भाषा विकास का क्या महत्व है ?
21. कुशल पठन के लिए शब्द पहचान और भाषायी समझ का संतुलन आवश्यक है। विवचेना कीजिए।
22. पढ़ना किसे कहते हैं ?

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. लिखित भाषा और मौखिक भाषा में तुलनात्मक अंतर लिखिए।
24. शब्द पहचान की प्रक्रियाओं का विस्तृत वर्णन कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2023 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2023 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2023 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

H–442

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2023

प्रारंभिक भाषा शिक्षण में डिप्लोमा

विषय–प्रारंभिक कक्षाओं में भाषा शिक्षण : एक समीक्षा **प्रश्नपत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. डिकोडिंग अच्छी तरह सीखने के लिए मजेदार गतिविधियों एवं खेलों के माध्यम से शिक्षण आवश्यक है। (सत्य/असत्य)
2. सोचना, तर्क करना पढ़ने-लिखने की प्रक्रियाओं का अभिन्न अंग है। (सत्य/असत्य)
3. अक्षर बनाना, वर्तनी, व्याकरण आदि बुनियादी लेखन कौशल हैं। (सत्य/असत्य)
4. बच्चों की भाषा के प्रयोग से बच्चों के हिन्दी सीखने पर बुरा असर पड़ सकता है। (सत्य/असत्य)
5. कक्षा में बच्चों की भाषा/भाषाओं का प्रयोग करना सही है। (सत्य/असत्य)

6. लमणी भाषा नहीं बोली है। (सत्य/असत्य)

7. कक्षा में मानक भाषा के अलावा कुछ अन्य भाषा का प्रयोग होता है। (सत्य/असत्य)

8. 'अच्छी एक मिसाल' नामक पाठ कक्षा-2 के बच्चों के लिए डिकोड करना आसान है। (सत्य/असत्य)

खण्ड—ब

9. सक्रिय भागीदारी का समय कौन-सा होता है ?

10. पाठ्य सामग्री का स्तर विद्यार्थियों के स्तर के अनुसर तय किया जाना चाहिए।

11. पढ़ना सीखने के सबसे ज्यादा प्रभावी तरीके कौन-से हैं ?

12. भाषा शिक्षण में किस प्रकार की रोचक गतिविधि होनी चाहिए ?

13. भारतीय जनगणना के अनुसार पूरे देश में कितनी भाषा व बोलियाँ बोली जाती हैं ?

14. भाषा के संदर्भ में कई गहरे सामाजिक दृष्टिकोण भी होते हैं। समझाइए।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. भाषायी विविधता पर टिप्पणी लिखिए।

16. ई. जी. आर. शोध के अनुसार भाषा कक्षाओं में बच्चों का टाइम-ऑन-टास्क कम होने के लिए कौन से कारक जिम्मेदार हैं ?

17. कक्षा में जब शिक्षक व बच्चों द्वारा बातचीत नहीं हो रही थी तब क्या हो रहा था ?

18. भाषा की कक्षा में अर्थ निर्माण पर ही मुख्य जोर देना चाहिए। विश्लेषण कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. असाक्षर या अल्प साक्षर के घरों से आने वाले बच्चों को कैसे शिक्षित किया जाए ? समझाइए।

20. पढ़ने में प्रेरणा की बहुत बड़ी भूमिका होती है। स्पष्ट कीजिए।

21. आपके अनुसार स्कूल के बाहर के परिवेश में कौन-से कारक हैं जो उपलब्धि स्तर में कम योगदान देते हैं ?

22. कक्षा में सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में ऐसे कौन-कौन से कारक हैं जो निम्न स्तर की उपलब्धि में योगदान देते हैं ?

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. डिकोडिंग को अच्छी तरह सिखाने के लिए व्यवस्थित क्रम से विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ और खेल होना चाहिए। वर्णन कीजिए।

24. एक बहुभाषी कक्षा का दृश्य स्पष्ट कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2023 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2023 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2023 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

H–443

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2023

प्रारंभिक भाषा शिक्षण में डिप्लोमा

विषय–सीखने–सीखाने के कुछ सिद्धांत और रणनीतियां **प्रश्नपत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. शिक्षण का इकलौता उद्देश्य है कि बच्चे उससे ..... ।
2. जे. पी. डी. का पूरा नाम अंग्रेजी में लिखिए।
3. प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक लेव वाईगोत्सकी किस देश के मनोवैज्ञानिक हैं ?
4. "उनके लिए सीखना बिल्कुल सांस लेने जितना ही स्वाभाविक है।" यह कथन किसका है ?
5. बच्चे के लिये सीखने का सबसे प्रभावी कार्य वह होता है जो उसके सामर्थ्य स्तर ..... होता है।
6. नई जानकारी/कौशल + पूर्व जानकारी/कौशल = ... ।

7. बच्चों को सोचने को उकसाने के लिये बन्द छोर वाले प्रश्न अच्छे होते हैं। (सत्य/असत्य)

8. ..... ने दर्शाया कि शिक्षण व्यवस्थाओं और शिक्षकों द्वारा आकलन के बाद की 'बाकी की कहानी' छोड़ दी जाती है।

खण्ड—ब

9. सीखने के नाम पर **तीन** मुख्य प्रकार की कौन-सी चीजें सीखी जाती हैं ?

10. स्कैफोल्डिंग (Scaffolding) क्या है ?

11. विस्तारित वार्तालाप (Exploratory Talk) क्या है ?

12. 'खुले छोर वाले प्रश्न' (open ended questions) से आप क्या समझते हैं ?

13. फीडबैक क्यों आवश्यक है ?

14. बच्चों के अलग-अलग स्तर से क्या आशय है ?

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. सीखने-सिखाने के सामान्य सिद्धान्तों को लिखिए।

16. बच्चे अपने पूर्वज्ञान व अनुभव का इस्तेमाल कैसे करते हैं ?

17. सोचने का समय या प्रतीक्षा समय का क्या लाभ है ?

18. सोचने के कौशल का शिक्षण में प्रयोग किस प्रकार किया जा सकता है ?

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. सीखने की प्रक्रिया को विस्तारपूर्वक समझाइये।

20. सीखने की प्रक्रिया में बच्चों का जुड़ाव बढ़ाने के लिये क्या रणनीतियाँ हो सकती हैं ?

21. सीखना-सिखाना और सतत् आकलन को समझाइये।

22. कक्षा में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण होने के क्या लाभ हैं ?

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. जोन ऑफ प्रॉक्सिमल डेवलपमेंट (Zone of Proximal Development) को विस्तार से समझाइए।

24. सीखने की जिम्मेदारी क्रमशः बच्चों को सौंपना/जी. आर. आर. (Gradual Release of Responsibility) को विस्तारपूर्वक समझाइये।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2023 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2023 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2023 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

H–444

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2023

प्रारंभिक भाषा शिक्षण में डिप्लोमा

विषय–प्रारंभिक कक्षाओं में संतुलित भाषा शिक्षण **प्रश्नपत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. डिकोडिंग आधारित पद्धति यह मानती है कि लिखित भाषा चरणों में सीखी जाती है।
2. शब्द पहचान और अर्थ निर्माण की प्रक्रियाएँ साथ-साथ चलती हैं।
3. कमाल (CAMAL) का पूर्ण फार्म लिखिए।
4. ओ. ई. एल. पी. (OELP) का पूर्ण फॉर्म लिखिए।
5. QUEST का पूर्ण फॉर्म लिखिए।
6. पृष्ठभूमि पूर्वज्ञान, संदर्भ व अर्थ, अनुमान लगाकर शब्द पढ़ना—ये सब किस पद्धति की मान्यताएँ हैं?
7. लिपि या कोड ..... रूप से बनी है। (स्वाभाविक/कृत्रिम)

8. अर्थ निर्माण एक जैसा ..... है जो पढ़ाया जा सकता है। (लिपि/कौशल)

खण्ड—ब

9. शब्द पहचान की रणनीतियों का सार लिखिए।
10. लोगोग्राफिक पठन क्या है ?
11. भाषाई समझ में कौन-कौन सी क्षमताएँ शामिल होती हैं ?
12. एक व्यापक पद्धति की रूपरेखा कैसी होनी चाहिये ?
13. डिकोडिंग के चरण क्या हैं ?
14. कक्षाओं में किन गतिविधियों को जोड़ा जाना चाहिये या और अधिक ध्यान देना चाहिये ?

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. भाषा शिक्षण पद्धति क्या है ?
16. 'समग्र से अंश और अंश से समग्र तक' को अपने शब्दों में समझाइए।
17. संतुलित या व्यापक पद्धति के आयामों को अपने शब्दों में समझाइए।
18. इमर्जेंट लिटरेसी (Emergent Literacy) क्या है ?

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. नीचे से ऊपर की ओर केन्द्रित या डिकोडिंग आधारित शिक्षण का अर्थ बताइये। यह पद्धति किन मान्यताओं पर आधारित है ?
20. डिकोडिंग शिक्षण में संदर्भ कितना आवश्यक है ?
21. भाषा शिक्षण में अंश आधारित तत्वों को समझाइए।
22. संतुलित भाषा शिक्षण के चार खंडीय मॉडल को समझाइयैं

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. निम्नलिखित को समझाइये :

    (अ) प्रिंट से परिचय

    (ब) लेखन से परिचय

    (स) कक्षा में प्रिंट समृद्ध वातावरण

24. निम्नलिखित को समझाइये :

    (अ) प्रथम की संतुलन साक्षरता अध्यापन पद्धति

    (ब) ओ. ई. एल. पी. (OELP) संस्था, पद्धति, क्रियान्वयन

    (स) लिपि कार्यक्रम

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2023 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2023 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2023 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

H–445

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2023

प्रारंभिक भाषा शिक्षण में डिप्लोमा

विषय–प्रारंभिक साक्षरता के बुनियादी कौशल : भाग 1 **प्रश्नपत्रः पंचम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. मुक्त कौशल का संबंध लेखन के अलावा अन्य किससे जुड़ा है ?
2. वर्ण के दो भाग लिखिए।
3. ध्वनि जागरूकता हेतु आवश्यक कौशल कौन-से हैं ?
4. शब्द पहचान की किसी **एक** प्रक्रिया का नाम लिखिए।
5. लिखित सामग्री के बारे में बच्चों की समझ क्या कहलाती है ?
6. ब्लैकबोर्ड पर बच्चों के नाम, कहानी के मुख्य शब्द लिखने व पहचानने की प्रक्रिया किस कक्षा से प्रारम्भ किया जा सकता है ?
7. एक जैसे तुक वाले शब्दों का उदाहरण दीजिए।
8. कोडिंग का क्या अर्थ है ?

खण्ड—ब

9. लोगोग्राफिक पठन क्या है ?
10. दृश्य शब्द को किस प्रकार परिभाषित करेंगे ?
11. उभरती साक्षरता क्या है ?
12. डिकोडिंग सिखाने के लिए उपयोगी सामग्री की सूची तैयार कीजिए।
13. सीखने का प्रतिफल क्या है ?
14. प्रिंट चेतना की **दो** विशेषताएँ लिखिए।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. लोगोग्राफिक पठन के **दो** चरणों को स्पष्ट कीजिए।
16. प्रिंट चेतना क्यों महत्वपूर्ण है ?
17. बालक में प्रिंट की समझ का आकलन कैसे करेंगे ?
18. पढ़ने से जूझने वाले बच्चों में किस तरह कमजोरियाँ देखी जा सकती हैं ?

सत्रीय कार्य–3

(Assignment-3)

खण्ड—द

19. डिकोडिंग सीखने की प्रक्रिया किस प्रकार चलती है ?
20. डिकोडिंग शिक्षण के सिद्धान्त बताइये।
21. वर्ण सीखने का क्या क्रम होना चाहिये ?
22. अक्षर परिचय के चरणों को विस्तार से समझाइये।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. ध्वनि जागरूकता विकसित करने के लिए विभिन्न रणनीतियों और गतिविधियों को समझाइये।
24. भाषा का लिखित स्वरूप और डिकोडिंग कैसे सीखी जाती है ?

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2023 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2023 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2023 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

H–446

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जनवरी–दिसंबर 2023

प्रारंभिक भाषा शिक्षण में डिप्लोमा

विषय–प्रारंभिक साक्षरता के बुनियादी कौशल : भाग 2 **प्रश्नपत्रः षष्ठ्म**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. मौखिक भाषा में 'बोलना' और 'सुनना' सम्मिलित है। (सही/गलत)
2. किसी भी व्यक्ति के लिये अपने खुद के अनुभव को बताना सबसे ज्यादा आसान होता है। (सही/गलत)
3. समझकर पढ़ने में बच्चे का शब्द भंडार महत्वपूर्ण कारक होता है। (सही/गलत)
4. सुनकर समझना + शब्द पहचान = ... ।
5. ..... ने दिखाया कि किस प्रकार बोलना बच्चों के विकास और चिंतन का एक आवश्यक हिस्सा है।
6. भौतिक भाषा की दक्षता बच्चे की बेहतर समझ का ..... होती है।

7. चित्रों पर कितने तरह के प्रश्न पूछे जा सकते हैं ?

8. अनुमान लगाने से संबंधित कोई भी **एक** प्रश्न लिखिए।

खण्ड—ब

9. कहानियों पर बातचीत के क्या लाभ हैं ?

10. अभिनय और रोल प्ले क्या है ?

11. शब्दावली क्या होती है ?

12. प्रत्यक्ष रूप से सिखाने के लिए शब्दों का चयन कैसे करना चाहिये ?

13. 'टोटल फिजिकल रिस्पाँस' (TPR) क्या है ?

14. शिक्षक बच्चों को शब्द समझने और प्रयोग करने का अवसर कैसे दे सकते हैं ?

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. मौलिक भाषा में क्या-क्या शामिल होता है ? अपने शब्दों में लिखिए।

16. कक्षा में मौखिक भाषा को बढ़ावा देने के लिये क्या रणनीतियाँ होनी चाहिये ?

17. 'अर्थ निर्माण' क्या है ? समझाइये।

18. मौखिक भाषा के विकास का आकलन एक शिक्षक किस प्रकार से कर सकता है ?

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. बच्चों के साथ किन-किन विषयों पर चर्चा की जा सकती है ? विस्तार से समझाइए।

20. "समय के साथ मौखिक काम में प्रगति/बदलाव।" विस्तार से समझाइये।

21. तथ्य आधारित समझ तथा उच्चस्तरीय समझ क्या है ?

22. निम्नलिखित को समझाइये :

(अ) बच्चों को खुद नये शब्द सीखने के तरीके सिखाना

(ब) बच्चों को औपचारिक हिन्दी शब्दावली सिखाने के सिद्धान्त

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. अध्यापक बच्चों के मौखिक भाषा विकास में कैसे प्रोत्साहन दे सकते हैं ?

24. ऐसे कौन-से कारक हैं जो पढ़कर समझने की क्षमता को प्रभावित करते हैं ? विस्तार से समझाइये।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2023 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2023 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2023 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**